	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	21.03.25	3	6-8

90 महिलाओं ने दूध से बर्फी, पनीर, गाजरपाक और श्रीखंड बनाना सीखा

सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में प्रशिक्षण

भास्कर न्यूज | हिसार

एचएयू व भैंस अनुसंधान संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने, फल एवं सब्जी प्रशिक्षण और 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर बेरोजगार युवाओं के लिए पांच दिवसीय तीन प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया। इसमें 90 महिलाओं ने भाग लिया। समापन अवसर पर भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. यशपाल शर्मा मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

निदेशक डॉ. यशपाल शर्मा ने कहा कि महिलाओं के कौशल विकास हेतु निरंतर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि उन्हें आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाकर उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार किया जा सके। उपरोक्त प्रशिक्षणों के माध्यम से महिलाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने में मदद मिलेगी।

दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के प्रशिक्षण संयोजक डॉ. संदीप भाकर ने बताया कि दूध से बर्फी, पनीर, सुगंधित दूध, दही, लस्सी, श्रीखंड, गाजरपाक, घी, रसगुल्ला, डोडा बर्फी, केसर खीर, कुल्फी, कोण्डेंस्ड मिल्क इत्यादि तैयार किए जा सकते हैं। उन्होंने महिलाओं को एंटरप्रेन्योर बनने तथा स्वयं सहायता समूह बनाकर काम करने के बारे में भी जानकारी दी। सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने प्रशिक्षण के समापन पर सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ. ऐश्वर्या, डॉ. डीके शर्मा, डॉ. सतीश मेहता, डॉ. भूपेन्द्र सिंह व डॉ. विकास हुड्डा मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	21.03.25	3	1-2

महिलाओं को बर्फी, केसर खीर कुल्फी व पनीर बनाना सिखाया

एचएयू में मुख्य अतिथि के साथ प्रतिभागी। स्रोत : संस्थान

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं भैंस अनुसंधान संस्थान की ओर से सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने, फल एवं सब्जी परिरक्षण और मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण में 90 महिलाओं ने भाग लिया। इस दौरान महिलाओं को बर्फी, पनीर, सुगंधित दूध, दही, गाजरपाक, लस्सी, रसगुल्ला, डोडा बर्फी, केसर खीर, कुल्फी बनाना सिखाया गया। समापन अवसर पर भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. यशपाल शर्मा ने कहा, महिलाओं के कौशल विकास के लिए निरंतर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि उन्हें आत्मनिर्भर बनाकर उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार किया जा सके।

मशरूम उत्पादन तकनीक प्रशिक्षण में महिलाओं को बटन मशरूम, ढींगरी, दूधिया, शिटाके, कीड़ा-जड़ी मशरूम उत्पादन तकनीक पर व्यावहारिक ज्ञान दिया गया। इस दौरान प्रतिभागियों ने मशरूम उत्पादक संदीप कुमार के गांव सीसवाल स्थित मशरूम फार्म पर मशरूम टेक्नोलॉजी लैब का भ्रमण किया। प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र बांटे गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि · भूमि	21.03.25	11	2-6

एचएयू में अनुसूचित जाति/जनजाति की महिलाओं के लिए प्रशिक्षण का आयोजन

महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाकर उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार ला रहे : डॉ. शर्मा

■ प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र और अध्ययन सामग्री वितरित की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं भैंस अनुसंधान संस्थान की ओर से संयुक्त रूप से सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने', 'फल एवं सब्जी परिरक्षण' और 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर बेरोजगार युवाओं के लिए पांच दिवसीय तीन प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया।

हिसार : मुख्य अतिथि अधिकारियों एवं प्रतिभागियों के साथ। फोटो :हरिभूमि

इस प्रशिक्षण में 90 महिलाओं ने भाग लिया।

भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. यशपाल शर्मा मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। निदेशक डॉ. यशपाल शर्मा ने कहा कि महिलाओं के कौशल विकास के लिए निरंतर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं ताकि उन्हें आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाकर उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार किया जा सके। मशरूम उत्पादन तकनीक प्रशिक्षण में महिलाओं को बटन मशरूम, ढींगरि, दूधिया, शिटाके, कीड़ा-जड़ी इत्यादि मशरूम उत्पादन तकनीक पर व्यावहारिक ज्ञान देने के साथ-साथ मशरूम उत्पादक संदीप कुमार गांव सीसवाल के मशरूम फार्म वह विश्वविद्यालय की मशरूम टेक्नोलॉजी लैब का भी भ्रमण करवाया गया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और अध्ययन सामग्री भी वितरित की गई। संस्थान के सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सभी का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. ऐश्वर्या, डॉ. डीके शर्मा, डॉ. सतीश मेहता, डॉ. भूपेन्द्र सिंह व डॉ. विकाश हुड्डा मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	21.03.25	5	1-3

हकृवि में अनुसूचित जाति/जनजाति की महिलाओं हेतु प्रशिक्षण सम्पन्न

हिसार, 20 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं भैंस अनुसंधान संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने', 'फल एवं सब्जी परिरक्षण' और 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर बेरोजगार युवाओं के लिए पांच दिवसीय तीन प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में 90 महिलाओं ने भाग लिया। समापन अवसर पर भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. यशपाल शर्मा मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। निदेशक डॉ. यशपाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं के कौशल विकास हेतु निरंतर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं ताकि उन्हें आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाकर उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार किया जा सके। उपरोक्त प्रशिक्षणों के माध्यम से महिलाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने में मदद मिलेगी। दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के प्रशिक्षण संयोजक डॉ. संदीप भाकर ने बताया कि दूध से बर्फी, पनीर, सुगंधित दूध, दही, लस्सी, श्रीखंड, गाजरपाक, घी, रसगुल्ला, डोडा बर्फी, केसर खीर, कुल्फी, कोण्डेंस्ड मिल्क इत्यादि तैयार किए जा सकते हैं। उन्होंने महिलाओं को एंटरप्रेन्योर बनने तथा स्वयं सहायता समूह बनाकर काम करने के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। फल एवं सब्जी के प्रशिक्षण में विभिन्न प्रकार के मूल्य संवर्धित उत्पाद जैसे आचार, सौस, चटनी, जैम, फ्रूट जूस, केचप, डिब्बाबंदी, सब्जियों को वैज्ञानिक विधि से सूखाने आदि पर प्रकाश डाला गया। मशरूम उत्पादन तकनीक प्रशिक्षण में महिलाओं को बटन मशरूम, ढींगरि, दूधिया, शिटाके, कीड़ा-जड़ी इत्यादि मशरूम उत्पादन तकनीक पर व्यावहारिक ज्ञान देने के साथ-साथ मशरूम उत्पादक संदीप कुमार गांव सीसवाल के मशरूम फार्म वह विश्वविद्यालय की मशरूम टेक्नोलॉजी लैब का भी भ्रमण करवाया गया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और अध्ययन सामग्री भी वितरित की गई। उपरोक्त संस्थान के सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सभी का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. ऐश्वर्या, डॉ. डीके शर्मा, डॉ. सतीश मेहता, डॉ. भूपेन्द्र सिंह व डॉ. विकाश हुड्डा मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि अधिकारियों एवं प्रतिभागियों के साथ।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	20.03.25	--	--

हकृवि में अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं हेतु प्रशिक्षण हुआ संपन्न

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं भैंस अनुसंधान संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने', 'फल एवं सब्जी परिरक्षण' और 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर बेरोजगार युवाओं के लिए पांच दिवसीय तीन प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में ९० महिलाओं ने भाग लिया। समापन अवसर पर भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. यशपाल शर्मा मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। निदेशक डॉ. यशपाल शर्मा ने अपने सम्बोधन में कहा कि महिलाओं के कौशल विकास हेतु निरंतर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं ताकि उन्हें आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाकर उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार किया जा सके। उपरोक्त प्रशिक्षणों के माध्यम से महिलाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने में मदद मिलेगी। दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के प्रशिक्षण संयोजक डॉ. संदीप भाकर ने बताया कि दूध से बर्फी, पनीर, सुगंधित दूध, दही, लस्सी, श्रीखंड, गाजरपाक, घी, रसगुल्ला, डोडा बर्फी, केसर खीर, कुल्फी, कोण्डेंस्ड मिल्क इत्यादि तैयार किए जा सकते हैं। उन्होंने महिलाओं को एंटरप्रेन्योर बनने तथा स्वयं सहायता समूह बनाकर काम करने के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। फल एवं सब्जी के प्रशिक्षण में विभिन्न प्रकार के मूल्य संवर्धित उत्पाद जैसे आचार, सौस, चटनी, जैम, फ्रूट जूस, केचप, डिब्बाबंदी, सब्जियों को वैज्ञानिक विधि से सुखाने आदि पर प्रकाश डाला गया। मशरूम उत्पादन तकनीक प्रशिक्षण में महिलाओं को बटन मशरूम, ढींगरि, दूधिया, शिटाके, कीड़ा-जड़ी इत्यादि मशरूम उत्पादन तकनीक पर व्यावहारिक ज्ञान देने के साथ-साथ मशरूम उत्पादक संदीप कुमार गांव सीसवाल के मशरूम फार्म वह विश्वविद्यालय की मशरूम टेक्नोलॉजी लैब का भी भ्रमण करवाया गया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और अध्ययन सामग्री भी वितरित की गई। उपरोक्त संस्थान के सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सभी का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. ऐश्वर्या, डॉ. डीके शर्मा, डॉ. सतीश मेहता, डॉ. भूपेन्द्र सिंह व डॉ. विकाश हुड्डा मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	20.03.25	--	--

प्रशिक्षणों के माध्यम से महिलाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने में मिलेगी मदद : डॉ. शर्मा

हकृवि में अनुसूचित जाति/जनजाति की महिलाओं के लिए प्रशिक्षण संपन्न

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय एवं भैंस अनुसंधान संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने', 'फल एवं सब्जी परिरक्षण' और 'मशरूम उत्पादन तकनीक' पर बेरोजगार युवाओं के लिए पांच दिवसीय तीन प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में 90 महिलाओं ने भाग लिया। समापन अवसर पर भैंस अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. यशपाल शर्मा मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि अधिकारियों एवं प्रतिभागियों के साथ

निदेशक डॉ. यशपाल शर्मा ने कहा कि महिलाओं के कौशल विकास के लिए निरंतर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं ताकि उन्हें आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाकर उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार किया जा सके। उपरोक्त प्रशिक्षणों के माध्यम से महिलाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने में मदद मिलेगी। दूध से मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करने के प्रशिक्षण संयोजक डॉ. संदीप भाकर ने बताया कि दूध से बर्फी, पनीर, सुगंधित दूध, दही, लस्सी, श्रीखंड, गाजरपाक, घी, रसगुल्ला, डोडा बर्फी, केसर खीर, कुल्फी, कोण्डेंस्ड मिल्क इत्यादि तैयार किए जा सकते हैं। उन्होंने महिलाओं को एंटरप्रेन्योर बनने तथा स्वयं सहायता समूह बनाकर काम करने के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। फल एवं सब्जी के प्रशिक्षण में विभिन्न प्रकार के मूल्य संवर्धित उत्पाद जैसे आचार, सौस, चटनी, जैम, फ्रूट जूस, केचप, डिब्बाबंदी, सब्जियों की वैज्ञानिक विधि से सूखाने आदि पर प्रकाश डाला गया। मशरूम उत्पादन तकनीक प्रशिक्षण में महिलाओं को बटन मशरूम, ढींगरि, दूधिया, शिटाके, कीड़ा-जड़ी इत्यादि मशरूम उत्पादन तकनीक पर व्यावहारिक ज्ञान देने के साथ-साथ मशरूम उत्पादक संदीप कुमार गांव सीसवाल के मशरूम फार्म व विश्वविद्यालय की मशरूम टेक्नोलॉजी लैब का भी भ्रमण करवाया गया। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और अध्ययन सामग्री भी वितरित की गई।

उपरोक्त संस्थान के सह निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सभी का स्वागत करते हुए प्रशिक्षण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. ऐश्वर्या, डॉ. डीके शर्मा, डॉ. सतीश मेहता, डॉ. भूपेन्द्र सिंह व डॉ. विकाश हुड्डा मौजूद रहे।